



Literacy for a Billion

Movie: Abdullah

Year: 1980

मैंने पूछा चाँद से के देखा है कहीं
मेरे यार से हँसीं
चाँद ने कहा चाँदनी की कसम
नहीं नहीं नहीं
मैंने पूछा चाँद से
मैंने ये हिजाब तेरा ढूँढा
हर जगह शबाब तेरा ढूँढा
कलियों से मिसाल तेरी पूछी
फूलों में जवाब तेरा ढूँढा
मैंने पूछा बाग़ से
फलक हो या जमीं
ऐसा फूल हैं कहीं
बाग़ ने कहों हर कली की कसम

Song: Maine Puchha Chaand Se

Lyricist: Anand Bakshi

हो चाल है के मौज की रवानी
जुल्फ़ है की रात की कहानी
होंठ हैं की आइने कँवल के
आँख हैं की मैकदों की रानी
मैंने पूछा जाम से फलक हो या ज़मी
ऐसी मय भी हैं कहीं
जाम ने कहा मैकशी की कसम
खूबसूरती जो तूने पाई
लूट गई खुदा की बस खुदाई
मीर कर गज़ल कहूँ तुझे मैं
या कहूँ खयाम की रूबाई
मैं जो पूछूँ शायरों से
ऐसा दिलनशीं कोई शेर है कहीं
शायर कहें शायरी की कसम

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.